हिंदी दैनिक खबर
हर पल, हमारी खबर
केशववाणी
शुक्रवार 03 अप्रैल 2026 वर्ष 02 अंक 91 पृष्ठ 4
www.keshavtv24.com
Email:keshavtvbihar@gmail.com

अनमोल वचन

मेहनत की राह पर चलो तो मंज़िल खुद पास आएगी, हौसला रखो, हर मुश्किल आसान बन जाएगी।

16 वीं सब जूनियर मेन नेशनल चौम्पियनशिप 2026

दूसरे दिन हॉकी आंध्र प्रदेश, हॉकी मिजोरम, दिल्ली हॉकी, तेलंगाना हॉकी और छत्तीसगढ़ हॉकी ने अपने-अपने मैचों में शानदार जीत दर्ज की

केशववाणी रानी सिन्हा /शंकर कुमार सिन्हा की रिपोर्ट पटना/राजगीर (नालंदा)। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के तत्वावधान में राजगीर खेल अकादमी में आयोजित 16वीं सब-जूनियर मेन नेशनल हॉकी चौंपियनशिप 2026 के दूसरे दिन रोमांचक मुकाबलों के साथ गोलों की झड़ी लगी। दिनभर खेले गए मुकाबलों में हॉकी आंध्र प्रदेश, हॉकी मिजोरम, दिल्ली हॉकी, तेलंगाना हॉकी और छत्तीसगढ़ हॉकी ने प्रभावशाली जीत दर्ज कर अपने अभियान को मजबूती दी। डिवीजन C के पूल । में हॉकी आंध्र प्रदेश ने ले पुडुचेरी हॉकी को 3-1 से हराया। मुकाबले में सूर्य गणेश कटारू प्रदीप, चौतन्य लंका चौतन्य येसु और कप्तान मदुरू गंगा ने गोल कर टीम को बढ़त दिलाई, जबकि पुडुचेरी की ओर से दर्शन ने एकमात्र गोल किया। इसी पूल के दूसरे मुकाबले में हॉकी मिजोरम ने असम हॉकी को 6-0 से करारी शिकस्त दी। जोसेफ मालसावमतलुआंगा ने शानदार हैट्रिक लगाई, जबकि कप्तान मालसावमकिमा, वनलालहमंग. इहा और लालहमंगइहजुआला ने भी गोल दागे। डिवीजन ठ के पूल । में दिल्ली हॉकी ने हॉकी बंगाल को 9-1 से एकतरफा मुकाबले में हराया। आर्यन, कप्तान युवराज सिंह, सुशांत सेहरावत और सिद्धार्थ ने दो-दो गोल किए, जबकि लव ने एक गोल जोड़ा।

बंगाल के लिए आयुष प्रधान ने एकमात्र गोल किया।इसी पूल में तेलंगाना हॉकी ने हॉकी गुजरात को 20-0 से रौंदते हुए दिन की सबसे बड़ी जीत दर्ज की। अमित दयाल ने अकेले 10 गोल कर इतिहास रच दिया। उनके अलावा हैड्रियन लॉरेंस, हर्ष कुमार गौतम, अखिल गोगुला, ज्ञानेश्वर पित्ताला, पेंडोर धनराज, एस्लावथ युवराज और कप्तान यशिथ जला सूर्या ने भी टीम के लिए गोल किए। डिवीजन B के पूल B में हॉकी कर्नाटक और हॉकी अरुणाचल के बीच मुकाबला 2-2 से बराबरी पर छूटा। कर्नाटक के कप्तान आदर्श गो. विंद मुतागर ने दोनों गोल किए, जबकि अरुणाचल के लिए कुमार शशांक और अश्विनी पटेल ने गोल दागे। दिन के अंतिम मुकाबले में छत्तीसगढ़ हॉकी ने हॉकी हिमाचल को 7-2 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। कप्तान पीयूष कुमार साहू ने हैट्रिक लगाई, जबकि योगेश ठाकुर, ओम कुमार यादव, आदर्श राज सिंह और अभिषेक यादव ने भी टीम के लिए गोल किए। हिमाचल की ओर से सिद्धांत कौशल और दक्ष ने गोल किए। चौंपियनशिप के दूसरे दिन के मुकाबलों ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया और आगामी मैचों के लिए प्रतिस्पर्धा को और दिलचस्प बना दिया है।

16वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर नेशनल चौंपियनशिप में आंध्रप्रदेश ने पांडिचेरी को 3-1 से हराया

भारत ही नहीं विश्व भर में बिहार बनता रहा है खेलकूद का केन्द्र - श्रवण कुमार

केशववाणी अनुमंडल संवाददाता, राजगीर। राजीव लोचन की रिपोर्ट राजगीर (नालंदा)। राजगीर अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में गुरुवार को 16वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर नेशनल चौंपियनशिप के दूसरे दिन 6 मैच खेले गए। पहला मैच आंध्रप्रदेश और पांडिचेरी के बीच खेला गया जिसमें आंध्रप्रदेश ने पांडिचेरी को 3-1 से हराया, वहीं दूसरा मैच मिजोरम और असम के बीच खेला गया जिसमें मिजोरम ने 6-0 से मैच अपने नाम किया। तीसरा मैच दिल्ली एवं पश्चिम बंगाल के बीच खेला गया जिसमें दिल्ली ने 9-1 से पश्चिम बंगाल को हराया। चौथा तेलंगाना और गुजरात के बीच खेल गये मैच में तेलंगाना ने 20-0 से गुजरात को हराया। पांचवां मैच कर्नाटक और अरुणाचल के बीच खेला गया जिसमें 2-2 गोल करके इस मैच को ड्रा करने का काम किया। अंतिम मुकाबला छत्तीसगढ़ एवं हिमाचल प्रदेश के बीच खेला गया जिसमें 7-2 से छत्तीसगढ़ ने हिमाचल प्रदेश को हराया। ग्रामीण विकास मंत्री सह परिवहन मंत्री श्रवण कुमार ने छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी पीयूष कुमार साहू को मैन ऑफ द मैच से नवाजा। मंत्री ने कहा कि बिहार पूरे भारत नहीं बल्कि विश्वस्तरीय खेलकूद का केंद्र बनते जा रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कार्यकाल में जहां बिहार एवं राजगीर जो एक पर्यटन के नाम से पूरे विश्व में अपनी ख्याति बटोर रही थी वह अब खेलकूद के मामले में भी अग्रणी होते जा रहा है। आने वाले समय में इस स्टेडियम में अंतरराष्ट्रीय हॉकी खेल आयोजित किए जाएंगे।

जिसमें यहां के स्थानीय युवाओं को खेलकूद में आगे बढ़ाने के लिए प्रेरणा मिलेगी एवं बिहार के युवा अब केवल शिक्षा के दम पर नहीं बल्कि खेलकूद के बल पर भी अब सरकारी संस्थानों में नौकरी पा सकते हैं।इस मौके पर मिथिलेश कुमार बिहार राज्य खेल अकादमी डिप्टी डायरेक्टर मिथिलेश कुमार, जदयू नेता मुन्ना कुमार, जदयू नेता राकेश कुमार, जदयू नेता जयराम सिंह, अजय पासवान सहित अन्य मौजूद थे।

मघड़ा शीतला मंदिर हादसा: विधायक डॉ. सुनील कुमार ने जताया शोक, पीड़ित परिवारों से मिलकर दिया सहयोग का भरोसा

केशववाणी शंकर कुमार सिन्हा की रिपोर्ट बिहारशरीफ। नालंदा जिले के मघड़ा स्थित शीतला माता मंदिर में पूजा-अर्चना के दौरान हुई भगदड़ की घटना को अत्यंत दुखद, पीड़ादायक और हृदयविदारक बताया जा रहा है। आस्था के इस पावन अवसर पर अचानक मची अफरा-तफरी ने कई श्रद्धालुओं की असामयिक मृत्यु का कारण बनकर पूरे क्षेत्र को गहरे शोक में डुबो दिया है। घटना के बाद बिहारशरीफ विधानसभा क्षेत्र के स्थानीय विधायक सह पूर्व मंत्री डॉ. सुनील कुमार मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवारों से मिलकर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने कहा कि विभिन्न स्थानों से श्रद्धालुओं के निधन की खबर अत्यंत मर्माहत करने वाली है। हादसे में सकुनत मोहल्ला निवासी दिनेश रजक की पत्नी स्व. रीता देवी, सालूगंज मोहल्ला निवासी अजय साव की पत्नी स्व. गुड़िया देवी तथा रहुई प्रखंड के विशुनपुर गांव निवासी जोगेंद्र यादव की पत्नी स्व. कृनता देवी के निधन से क्षेत्र में गहरा शोक व्याप्त है। विधायक ने पीड़ित परिवारों से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाया और इस कठिन समय में हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया। उन्होंने शोकाकुल परिजनों के दुख में सहभागी बनते हुए कहा कि इस संकट की घड़ी में वे उनके साथ खड़े हैं। साथ ही सनातन विकास ट्रस्ट की ओर से सभी प्रभावित परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान की गई, ताकि उन्हें इस कठिन समय में कुछ सहारा मिल सके। डॉ. सुनील कुमार ने इस घटना को गंभीर चिंता का विषय बताते हुए प्रशासन से मांग की कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जाए। अंत में उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिवारों को इस अपार दुख को सहने की शक्ति प्रदान करें। साथ ही घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की।

मघड़ा शीतला माता मंदिर के प्रबंधन में बड़ा बदलाव, एसडीओ बनाए गए अस्थायी न्यासधारी

केशववाणी शंकर कुमार सिन्हा की रिपोर्ट बिहारशरीफ। नालंदा जिले के मघड़ा स्थित प्रसिद्ध शीतला माता मंदिर के प्रबंधन को लेकर बिहार राज्य धार्मिक न्यास परिषद ने बड़ा निर्णय लिया है। मंदिर के कुशल संचालन और समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए अनुमंडल पदाधिक. ारी, बिहारशरीफ को अस्थायी न्यासधारी नियुक्त किया गया है। जारी आदेश के अनुसार, शीतला माता मंदिर, ग्राम मघड़ा (वार्ड संख्या-48), थाना मघड़ा, जिला नालंदा, बिहार हिंदू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा 34 के अंतर्गत निबंधित सार्व. जनिक धार्मिक न्यास है। परिषद के अध्यक्ष प्रोफेसर रणवीर नंदन द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि मंदिर के बेहतर प्रबंधन और व्यवस्था को देखते हुए बिहार हिंदू ध. ार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा 33 के तहत यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से की गई है।इस निर्णय के तहत अब अनुमंडल पदाधिकारी, बिहारशरीफ मंदिर के संचालन, व्यवस्था और प्रबंधन की जिम्मेदारी संभ. ालेंगे। आदेश की प्रति उन्हें आवश्यक कार. 'वाई के लिए भेज दी गई है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, हाल ही में मंदिर परिसर में हुई अव्यवस्था और भीड़ प्रबंधन की समस्या को देखते हुए यह कदम उठाया गया है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो और श्रद्धालुओं को सुरक्षित वातावरण में पूजा-अर्चना की सुविधा मिल सके।

अपने क्षेत्र की खबर भेजने और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें
7033325120

मघड़ा हादसे पर डॉ. दिलीप कुमार का दौरा, उच्चस्तरीय जांच और 10–10 लाख रुपये मुआवजे की मांग

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट बिहार शरीफ (नालंदा) । बिहारशरीफ (नालंदा)। मघड़ा स्थित शीतला माता मंदिर में 31 मार्च को हुई दर्दनाक घटना के बाद विश्व मानवाधिकार संरक्षण आयोग के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सह अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य व स्नातक अधिकार मंच के संयोजक डॉ. दिलीप कुमार ने घटनास्थल का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। इस हादसे में दम घुटने से आठ श्रद्धालु महिलाओं की मौत हो गई थी, जिससे पूरे जिले में शोक का माहौल है। दौरे के दौरान प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि यह मंदिर अत्यंत पौराणिक है और यहां वर्षों से प्रत्येक मंगलवार को जल चढ़ाने और पूजा–अर्चना के लिए भारी भीड़ उमड़ती रही है। खासकर शीतलाष्टमी और चौत्र महीने के अंतिम मंगलवार को यहां जिले ही नहीं, बल्कि प्रदेश और देशभर से श्रद्धालु पहुंचते हैं। डॉ. दिलीप कुमार ने कहा कि अत्यधिक भीड़ और गर्मी के कारण श्रद्धालुओं के बीच अफरा–तफरी मच गई, जिससे एक साथ अधिक संख्या में लोग मंदिर परिसर में प्रवेश कर गए और स्थिति अनियंत्रित हो गई। उन्होंने इसे एक दुखद संयोग बताते हुए

कहा कि इस घटना के लिए किसी एक पक्ष को दोषी ठहराना उचित नहीं होगा, हालांकि पूजा समिति द्वारा प्रशासन को समय रहते सूचना नहीं देना भी एक चूक रही। उन्होंने यह भी बताया कि घटना वाले दिन मह. ामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के कार्यक्रम के कारण जिले का प्रशासनिक और पुलिस बल प्रोटोकॉल ड्यूटी में व्यस्त था, जिससे मंदिर परिसर में पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था नहीं हो पाई।डॉ. दिलीप कुमार ने प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि केवल थाना प्रभारी को निलंबित करना और पुजारियों को गिरफ्तार करना उचित कदम नहीं है। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारी उच्चाधिकारियों के निर्देश पर ही ड्यूटी में लगे थे, ऐसे में सिर्फ निचले स्तर के कर्मियों पर कार्रवाई करना न्यायसंगत नहीं है। उन्होंने मांग की कि इस पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए, ताकि वास्तविक दोषियों की पहचान हो सके। साथ ही नालंदा जिले के प्रमुख धार्मिक स्थलों–बड़गांव सूर्य मंदिर, औंगारी सूर्य मंदिर, मां आशापुरी मंदिर, घोसरामा मां मनसा मंदिर, पिलिच्छ शीतला माता मंदिर और मघड़ा मंदिरकृमें भीड़ प्रबंधन के लिए स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।उन्होंने सुझाव दिया कि इन सभी मंदिरों का ट्रस्ट बनाकर उन्हें राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड से जोड़ा जाए, ताकि प्रशासनिक व्यवस्था बेहतर हो सके और भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके। डॉ. दिलीप कुमार ने मृतकों के परिजनों को कम से कम 10–10 लाख रुपये मुआवजा देने की मांग की। साथ ही उन्होंने कहा कि निर्दोष पुजारियों और निचले स्तर के पुलिसकर्मियों पर की गई कार्रवाई की समीक्षा कर उसे वापस लिया जाए तथा दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने बताया कि इस घटना की जानकारी विश्व मानवाधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष डॉ. तपन कुमार को भी दी गई है। आयोग की ओर से जल्द ही एक टीम गठित कर मामले की जांच कराई जाएगी।

भीषण गर्मी को लेकर अलर्ट– डीएम कुंदन कुमार ने दिए सख्त निर्देश, अस्पतालों में विशेष तैयारी का आदेश

केशववाणी शंकर कुमार सिन्हा की रिपोर्ट बिहारशरीफ (नालंदा)। जिले में बढ़ती गर्मी और संभावित लू (हीट वेव) के खतरे को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। गुरुवार को जिलाधिकारी कुंदन कुमार की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित कर स्वास्थ्य विभाग सहित संबंधित अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। बैठक में डीएम ने कहा कि मौसम विभाग (आईएमडी) के पूर्वानुमान के अनुसार इस वर्ष पिछले वर्षों की तुलना में अधिक गर्मी पड़ने की संभावना है। ऐसे में बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और बाहर काम करने वाले ला. ेगों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

अस्पतालों में विशेष वार्ड और दवाओं की व्यवस्था

डीएम ने सिविल सर्जन को निर्देश दिया कि जिले के सभी सदर अस्पताल, अनुमंडलीय अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में लू से प्रभावित मरीजों के इलाज के लिए विशेष कार्ययोजना बनाई जाए। सभी अस्पतालों में जरूरी दवाएं, ओआरएस, IV फ्लूइड्स और मेडिकल उपकरणों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया है। साथ ही, लू के मरीजों के लिए अलग डेडिकेटेड वार्ड और पर्याप्त बेड की व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया।

24 घंटे डॉक्टर और एम्बुलेंस रहेंगे अलर्ट

प्रशासन ने स्पष्ट किया कि सभी अस्पतालों में 24 घंटे डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ की तैनाती सुनिश्चित की जाए। गंभीर मरीजों के लिए ईसीजी, ब्लड टेस्ट और अन्य जांच की सुविधा उपलब्ध रहेगी। सभी एम्बुलेंस को भी 24 घंटे अलर्ट मोड में रखने, उनमें ऑक्सीजन, आवश्यक उपकरण और एसी की व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए हैं।

मरीजों के लिए सुविधाओं पर जोर

डीएम ने अस्पतालों में आने वाले मरीजों और उनके परिजनों के लिए छायादार स्थान, शुद्ध पेयजल, पंखा, कूलर और पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही, वार्डों में कूलर और पंखे को चालू हालत में रखने एवं आवश्यक मरम्मत कार्य समय पर पूरा करने को कहा गया।

जागरूकता अभियान और मॉनिटरिंग सिस्टम

लू से बचाव के लिए "क्या करें, क्या न करें" की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाने का निर्देश दिया गया।

इसके अलावा जिला स्तर पर एक डैशबोर्ड बनाकर निगरानी रखने और लोगों को बल्क ँडै के जरिए अलर्ट करने की योजना भी बनाई जा रही है।

अगलगी की घटनाओं पर भी सतर्कता

भीषण गर्मी के कारण आग लगने की घटनाओं में वृद्धि की आशंका को देखते हुए अग्निशमन विभाग को मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के तहत पूरी तैयारी रखने और रोकथाम के उपाय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

एक सप्ताह में पूरी हो तैयारी

डीएम ने सभी चिकित्सा पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि एक सप्ताह के अंदर बैठक कर सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली जाएं और लू से प्रभावित मरीजों के इलाज के लिए निर्धारित ँव्ब का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए।

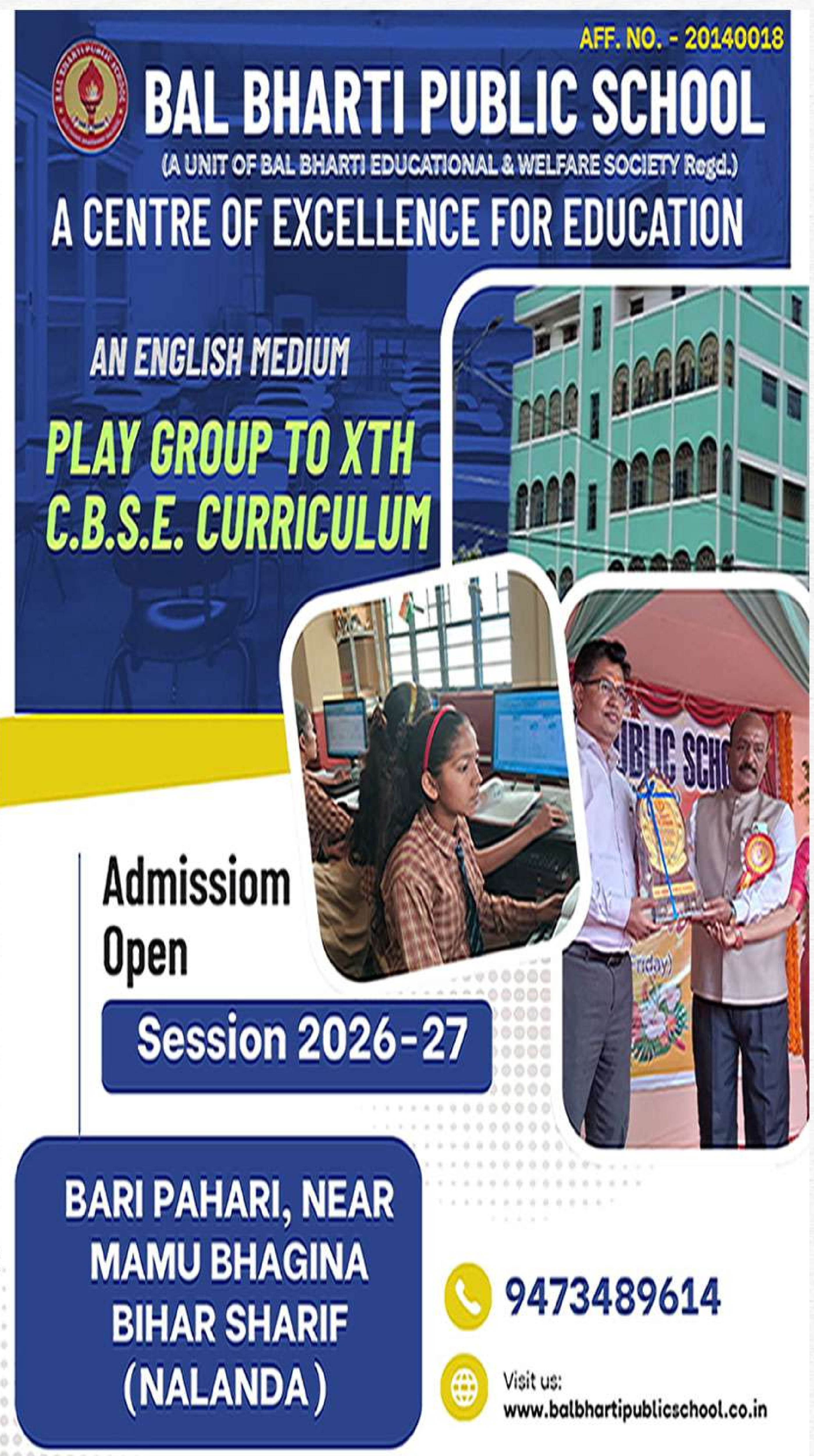

नालंदा में एलपीजी गैस की कोई कमी नहीं, निर्बाध आपूर्ति जारी– डीएम कुंदन कुमार

54 एजेंसियों के जरिए रोजाना 9,000 से अधिक सिलिंडर की आपूर्ति द्य पीएनजी कनेक्शन बढ़ाने पर जोर

केशववाणी गुड्डु कुमार की रिपोट बिहारशरीफ(नालंदा)। जिले में घरेलू एलपीजी गैस सिलिंडर की कमी की खबरों के बीच जिला प्रशासन ने स्थिति स्पष्ट करते हुए आम लोगों को राहत दी है। जिला पदाधिकारी (डीएम) कुंदन कुमार ने बताया कि नालंदा जिले में एलपीजी गैस सिलिंडर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं और आपूर्ति पूरी तरह से सामान्य व निर्बाध है। डीएम ने जानकारी दी कि तेल विपणन कंपनियों से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार जिले में किसी प्रकार की कमी नहीं है। वर्तमान में तीनों गैस कंपनियों की 54 एजेंसियों के माध्यम से प्रतिदिन लगभग 9,077 घरेलू गैस सिलिंडर उपभोक्ताओं तक पहुंचाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि विभागीय नियमों के तहत शहरी क्षेत्रों में 25 दिनों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिनों के बाद गैस रिफिल के लिए आवेदन किया जा सकता है।

पीएनजी कनेक्शन को बढ़ावा, तीन शहरों में सुविधा उपलब्ध

जिला पदाधिकारी ने बताया कि नालंदा जिले में पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) सुविधा का विस्तार तेजी से किया जा रहा है। फिलहाल बिहारशरीफ नगर निगम क्षेत्र, राजगीर और सिलाव में पीएनजी पाइपलाइन बिछाई जा चुकी है। अब तक करीब 1,200 उपभोक्ताओं को इसका लाभ मिल चुका है। उन्होंने इन क्षेत्रों के लोगों से पीएनजी कनेक्शन लेने की अपील करते हुए कहा कि इससे लोगों को मेट्रो शहरों जैसी सुविधा मिलेगी और एलपीजी पर निर्भरता कम होगी। साथ ही, जल्द ही विशेष कैंप लगाकर और अधिक ला. ेगों को पीएनजी कनेक्शन उपलब्ध कराया जाएगा।

अफवाहों से बचें, कंट्रोल रूम से करें संपर्क

डीएम ने आम जनता से अपील की कि गैस की कमी से जुड़ी किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें और केवल आधिकारिक जानकारी पर ही भरोसा करें। गैस से संबंधित किसी भी समस्या के समाधान के लिए जिला स्तर पर कंट्रोल रूम (टोल फ्री नंबररू 06112–233168) संचालित किया जा रहा है।

कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यदि किसी भी व्यक्ति या संस्थान द्वारा एलपीजी सिलिंडरों की जमाखोरी, कालाबाजारी या घरेलू गैस का व्यावसायिक उपयोग करते हुए पाया जाता है, तो उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। डीएम ने लोगों से अपील की कि ऐसी किसी भी गतिविधि की जानकारी तुरंत कंट्रोल रूम पर दें, ताकि समय पर कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

नालंदा पुलिस की बड़ी कार्रवाई: बिजली तार चोरी करने वाले संगठित गिरोह का भंडाफोड़, 6 गिरफ्तार

केशववाणी प्रेम सिंघानिया की रिपोर्ट रहुई (नालंदा)। रहुई थाना क्षेत्र में कृषि पटवन के लिए बिछाए गए बिजली तार की लगातार हो रही चोरी के मामले में पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। संगठित गिरोह का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने चोरी के तार एवं अन्य सामानों के साथ कुल 6 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। जानक. ारी के अनुसार वर्ष 2026 में रहुई थाना क्षेत्र में अज्ञात अपराधियों द्वारा कृषि कार्य के लिए लगाए गए बिजली तार को काटकर चोरी किया जा रहा था। इस संबंध में मामला दर्ज कर पुलिस द्वारा लगातार जांच की जा रही थी। जांच के क्रम में 2 अप्रैल 2026 को छापेमारी कर गिरोह का खुलासा किया गया। पुलिस के अनुसार इस गिरोह का मुख्य सरगना जगमोहन पासवान (उम्र करीब 24 वर्ष), पिता बच्चू पासवान, निवासी शाहपुर, थाना रहुई (भागन बिगहा), जिला नालंदा है। पूछताछ में उसने स्वीकार किया है कि वह अपने गिरोह के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर जिले के विभिन्न क्षेत्रों में बिजली तार चोरी की घटनाओं को अंजाम देता था। गिरफ्तार अभियुक्तों में ओमनारायण (35 वर्ष), सुबोध कुमार (28 वर्ष), जगमोहन पासवान (24 वर्ष), अनिकेत कुमार (22 वर्ष), मिथुन कुमार (23 वर्ष) और शत्रुधन कुमार (35 वर्ष) शामिल हैं। सभी को न्यायालय में प्रस्तुत किया जा रहा है तथा इनके आपराधिक इतिहास की जांच की जा रही है।

छापेमारी के दौरान पुलिस ने एक देशी कट्टा, एक जिंदा कारतूस, एक सफेद रंग की अर्टिगा कार, पांच बंडल बिजली तार, छह स्मार्टफोन तथा तार काटने वाला कटर मशीन बरामद किया है।इस कार्रवाई में जिला आसूचना इकाई एवं रहुई थाना पुलिस की संयुक्त टीम शामिल थी, जिसमें प्रभारी पु.नि. आलोक कुमार सिंह, थानाध्यक्ष ललित विजय सहित अन्य पुलिसकर्मियों ने अहम भूमिका निभा. ई। पुलिस ने बताया कि इस गिरोह की गिरफ्तारी से नालंदा जिले के विभिन्न थानों में दर्ज बिजली तार चोरी के कई मामलों का सफल उद्भेदन हुआ है। इनमें रहुई, भागन बिगहा, वेना, हरनौत, चेरो, नूरसराय, कल्याण बिगहा और तेलमर थाना क्षेत्रों के कई कांड शामिल हैं। पुलिस का कहना है कि इस कार्रवाई से जिले में बिजली तार चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगेगा और आगे भी इस तरह के अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

बराह गांव के खंधा में बिजली के शॉर्ट सर्किट से गेहूं की फसल में लगी आग

केशववाणी राकेश कुमार की रिपोर्ट हरनौत(नालंदा)। गर्मी का मौसम दस्तक देते ही हरनौत प्रखंड क्षेत्र में आग लगी की घटना शुरू हो गई है। हरनौत प्रखंड क्षेत्र के बराह गांव स्थित बहिरा खंधा में गुरुवार की दोपहर 12रू15 बजे बिजली किशोर सर्किट से अचानक आग लग जाने से लगभग 15– 20 बीघा गेहूं की तैयार फसल जलकर नष्ट हो गई। घटना के संबंध में स्थानीय मुखिया प्रतिनिधि कमलेश कुमार उर्फ पिंटू एवं ग्रामीण सुजीत कुमार चंद्रवंशी ने बताया कि दोपहर के समय बहिरा खंधा में लगे गेहूं के फसल से अचानक धुआं निकलने लगा। इसके बाद ग्रामीण दौड़कर वहां गए तो देखा कि गेहूं के फसल में आग लगी हुई है। आग लगी की सूचना ग्रामीणों के द्वारा स्थानीय थाना एवं दमकल विभाग की टीम को दिया गया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर दमकल विभाग के कर्मी ने ग्रामीणों के सहयोग से आग बुझाने में जुट गए। तेज हवा चलने के कारण आग धीरे–धीरे खंधा में फैल रहा था। उसके बाद दो तीन अन्य दमकल वाहन को घटनास्थल पर बुलाया गया। तब जाकर 2 घंटे बाद आग पर काबू पाया गया जब तक 15 से 20 बीघा तक के गेहूं की फसल जलकर खाक हो गई। इस आग लगी में बराह गांव के किसान राकेशवर कुमार उर्फ कल्लू , कलिंदर यादव, विनोद यादव, धर्मेंद्र यादव ,छोटी सिंह, पिंकू राम,श्याम यादव एवं अन्य किसानो की कुल 15 से 20 बीघा गेहूं की फसल जलकर बर्बाद हो गई है।

साथ ही इस आग लगी में खेसाड़ी की फसल भी जलने की बात सामने आ रही है। पीड़ित किसानों ने बताया कि गेहूं की फसल के ऊपर से गुजरे 11000 वोल्टेज बिजली की तार से चिंगारी निकलने के बाद गेहूं की फसल में आग लगी है। वहीं घटना की सूचना मिलती ही बराह गांव निवासी एवं सामा. जिक कार्यकर्ता इंजीनियर अशोक सिंह घटनास्थल पर पहुंचकर पीड़ित किसानों से घटना की जानकारी ली। उन्होंने बताया कि बिजली की तार में स्पार्क होने के कारण आग लगी है। बिजली विभाग को जर्जर तार को बदलकर दुरुस्त करने की मांग की है। साथ ही साथ उन्होंने पीड़ित किसानों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए स्थानीय अंचलाधिकारी एवं जिला अधिकारी से अभिलंब मुआवजा देने की मांग की है। वही मुखिया प्रतिनिधि कमलेश कुमार उर्फ पिंटू ने बताया कि हरनौत प्रखंड क्षेत्र में मात्र एक दमकल गाड़ी है जिसके वजह से कोई भी आग लगी की घटना घटती है तो आज को बुझाने में काफी समय लगता है। उन्होंने बताया कि कल्याण बीघा थाना में दमकल गाड़ी नहीं रहने की वजह से अक्सर परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने जिला अधिकारी से कल्याण बीघा क्षेत्र में दमकल गाड़ी की मांग की है। वही घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर राजस्व पदाधिकारी रितु रिमझिम घटना का जायजा लिया।

हरनौत नगर पंचायत के सभी वार्ड के घर–घर से कचरा उठाने के लिए ठेले को हरी झंडी दिखाकर किया गया रवाना

केशववाणी राकेश कुमार की रिपोर्ट हरनौत(नालंदा)। स्वच्छ भारत मिशन एवं लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के तहत हरनौत नगर पंचायत क्षेत्र के सभी 19 वार्ड के घरों से नियमित रूप से कचरा उठाव को लेकर गुरुवार को नगर पंचायत कार्यालय के पास कार्यपालक पदाधिकारी सौरव सुमन एवं उपमुख्य पार्षद प्रतिनिधि सुरेश सिंह के द्वारा सामूहिक रूप से ठेला को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। कार्यपालक पदाधिकारी सौरव सुमन ने बताया कि कचरा उठाव के लिए प्रत्येक वार्ड में एक–एक ठेला दिया गया है साथ ही थाना और ब्लॉक एवं अस्पताल के लिए अलग से एक ठेला दिया गया है कुल मिलाकर 20 ठेला को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया है। उन्होंने बताया कि नगर पंचायत के विभिन्न वार्ड में पतला गली रहने की वजह से वहां पर ट्रैक्टर एवं कचरा ढोने वाली छोटे वाहन नहीं पहुंचता था इसके वजह से काफी परेशानी हो रही थी। अब ठेला के माध्यम से सफाई कर्मी सीधे घरों से कचरा उठाएंगे। जिससे खुले में कचरा फेंकने की समस्या कम होगी। उन्होंने बताया कि इस पहल का उद्देश्य स्वच्छ भारत मिशन के तहत नगर पंचायत के सभी वार्ड और मोहल्ले को कचरा मुक्त बनाना और सफाई व्यवस्था को बेहतर करना है। कचरे को सुख और गिला अलग–अलग करके ठेला के माध्यम से एकत्र किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नगर पंचायत क्षेत्र के सभी वार्ड में 100 सफाई कर्मी के द्वारा नियमित रूप से सफाई का कार्य किया जा रहा है। मौके पर मौजूद उपमुख्य पार्षद प्रतिनिधि सुरेश सिंह ने बताया कि स्वच्छ भारत अभियान का उद्देश्य नगर पंचायत वासियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाना है और इसके अलावा नगर पंचायत को सुंदर और स्वच्छ बनाने के लिए लोगों के बीच जागरूकता भी फैलाई जाएगी। उन्होंने कहा कि कचरा को यहां वहां फेंकने से स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। वही मौके पर स्वच्छता पदाधिकारी प्राची प्रसाद, एवं राकेश कुमार, सुनील कुमार ,संजय कुमार, दिनेश कुमार, बंटी कुमार, सिद्धार्थ कुमार, प्रीति कुमारी मौजूद थे।

महाबोधि महाविद्यालय, नालंदा में शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी संघ की आम बैठक संपन्न, चुनाव एवं महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया।

केशववाणी प्रेम सिंघानिया की रिपोर्ट बिहारशरीफ (नालंदा)। महाबोधि महाविद्यालय, नालंदा के सभागार में शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी संघ की एक महत्वपूर्ण आम बैठक का सफल आयोजन किया गया। इस बैठक में महाविद्यालय परिवार के सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और संस्थान के विकास, प्रशासनिक सुधार तथा कर्मचारी हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से विचार–विमर्श किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में शासी निकाय के माननीय सचिव श्री राजेंद्र प्रसाद उपस्थित रहे, और विशिष्ठ अतिथि के रूप में प्रभारी प्राचार्य डॉ.अरविंद कुमार उपस्थित रहें, जबकि शिक्षक प्रतिनिधि के रूप में डॉ. सुधीर कुमार की गरिमामयी उपस्थिति रही। जिनका स्वागत महाविद्यालय परिवार द्वारा अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ देकर किया गया। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता निवर्तमान अध्यक्ष प्रो सुधीर कुमार वर्मा ने की। बैठक का मुख्य आकर्षण शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी संघ का विधिवत निर्वाचन रहा, जिसे निर्वाचन पदाधिकारी के रूप में डॉ. सुधीर कुमार द्वारा पूरी पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ संपन्न कराया गया। इस दौरान अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव, कोषाध्यक्ष एवं सदस्य पदों के लिए चुनाव कराए गए। निर्वाचन परिणाम के अनुसार अध्यक्ष पद पर प्रो. सुधीर कुमार वर्मा निर्वाचित हुए। उपाध्यक्ष पद पर विजय कुमार सिन्हा, सचिव पद पर विकास कुमार, संयुक्त सचिव पद पर प्रो. डॉ. मिथिलेश कुमार तथा कोषाध्यक्ष पद पर अरविंद कुमार चुने गए। सदस्य के रूप में प्रो. शशि भूषण प्रसाद, विकास कुमार, डॉ. अंजुला कुमारी, श्रीमती मंजू कुमारी एवं नारायण कुमार को सर्वसम्मति से निर्वाचित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री राजेंद्र प्रसाद ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं सदस्यों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके सफल एवं प्रभावी कार्यकाल की कामना की। उन्होंने कहा कि संघ की सक्रियता से महाविद्यालय के प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता एवं समन्वय बढ़ेगा, जिससे संस्थान का समग्र विकास सुनिश्चित होगा। प्रभारी प्राचार्य डॉ. अरविंद कुमार ने अपने संबोधन में महाविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता को और सुदृढ़ करने हेतु आईक्यूएसी के गठन की घोषणा की। इस समिति में डॉ. ललन कुमार पांडे को समन्वयक नियुक्त किया गया, जबकि डॉ. सुधीर कुमार, प्रो. सुधीर

कुमार वर्मा, प्रो. आनंदमूर्ति एवं प्रो. विकास कुमार को सदस्य के रूप में शामिल किया गया।इसके अतिरिक्त, शैक्षणिक गतिविधियों के बेहतर समन्वय एवं संचालन हेतु डॉ. कौशलेंद्र कुमार को समन्वयक तथा प्रो. शशि भूषण प्रसाद एवं प्रो. डॉ. रामानुज प्रसाद को सदस्य नियुक्त किया गया। इस पहल से महाविद्यालय में शैक्षणिक कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी एवं व्यवस्थित ढंग से संचालित करने में मदद मिलेगी।बैठक के दौरान कर्मचारियों के हितों से संबंधित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। सर्वसम्मति से प्रबंधन समिति के समक्ष निम्नलिखित मांगें रखी गई। 1. सभी कर्मचारियों के लंबित एरियर का शीघ्र भुगतान।
2. वार्षिक वेतन में यथोचित वृद्धि।
3. छात्रों एवं शिक्षकों के लिए शैक्षणिक परिभ्रमण की अनुमति।

प्रबंधन समिति द्वारा इन मांगों को गंभीरता से लेते हुए यथाशीघ्र सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया गया। बैठक में वक्ताओं ने शासी निकाय के सचिव श्री राजेंद्र प्रसाद एवं प्रभारी प्राचार्य डॉ. अरविंद कुमार के कुशल नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में महाविद्यालय निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है और शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रहा है। प्राचार्य महोदय ने अपने संबोधन में महाविद्यालय में राष्ट्रीय कैडेट कोर इकाई की स्थापना, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के स्वयंसेवकों की सक्रिय भागीदारी तथा खेलकूद गतिविधियों में निरंतर हो रही प्रगति की प्रशंसा की। उन्होंने इन क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान के लिए डॉ. धनंजय कुमार देव एवं विकास कुमार के प्रयासों को विशेष रूप से सराहा। अंत में, महाविद्यालय को यूजीसी एवं एनएएसी से मान्यता प्राप्त होना एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए सभी शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि सभी के सामूहिक प्रयास, समर्पण एवं मेहनत का परिणाम है। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन विकास कुमार ने की। जिसमें महाविद्यालय परिवार ने भविष्य में और अधिक सशक्त एवं संगठित होकर कार्य करने का संकल्प लिया।मौके प्रो डॉ अंसार काजमी, डॉ संगीता कुमारी, डॉ विभा सिन्हा, प्रो मंजू कुमारी, प्रो गीता कुमारी, डॉ अनीता तलवार, डॉ प्रेमलता कुमारी, डॉ कुमारी रेणुका सिन्हा, डॉ आनंद माधवन, डॉ सुरेश प्रसाद, डॉ विनोद प्रसाद, प्रो अखिलेश मिश्रा, डॉ राजेश रंजन, प्रो राजेंद्र प्रसाद, प्रो अरुण कुमार , प्रो आकाश भारती, अनुज कुमार,प्रो पल्लवी सिन्हा, डॉ संध्या चौहान, डॉ राखी कुमारी, प्रो पुष्पलता कुमारी, प्रो विभांशु प्रिया, प्रो सुलेखा कुमारी, शशिभूषण, अनीश राज, डोमेनरायन मिस्त्री, सुभाष कुमार, सुरेंद्र मिस्त्री, रामप्रवेश प्रसाद, धीरेंद्र, चंद्रकिशोर, अवधेश, भूषण, मनोज, सुरेश इत्यादि लोग उपस्थित रहें।

नूरसराय कांड की जांच को पहुंची फैक्ट फाइंडिंग टीम, महिला के साथ बर्बरता पर उठे गंभीर सवाल

केशववाणी प्रेम सिंघानिया की रिपोर्ट बिहारशरीफ (नालंदा)। नालंदा जिले के नूरसराय थाना क्षेत्र में महिला के साथ हुई बर्बर घटना की सच्चाई जानने के लिए लोकतांत्रिक जन पहल, बिहार की पांच सदस्यीय फैक्ट फाइंडिंग टीम घटनास्थल पर पहुंची। टीम ने घटना को अत्यंत गंभीर बताते हुए प्रारंभिक जांच में कई अहम बिंदुओं को उजागर किया है। जानकारी के अनुसार, 26 मार्च 2026 को गांव के ही कुछ दबंगों ने एक गरीब एवं कमजोर समुदाय से आने वाली महिला के साथ सार्वजनिक स्थल पर मारपीट, छेड़छाड़ और अमानवीय व्यवहार किया। आरोप है कि आरोपियों ने महिला के कपड़े फाड़कर उसे अर्धनग्न कर दिया और उसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। घटना के दौरान पीड़िता लगातार मदद के लिए चिल्लाती रही, लेकिन कोई भी उसकी सहायता के लिए आगे नहीं आया। 2 अप्रैल को पटना से पहुंची फैक्ट फाइंडिंग टीम में अधिवक्ता एवं सामाजिक कार्यकर्ता अशोक कुमार, मणीलाल, तबस्सुम अली और सुनीता कुमारी सहित अन्य सदस्य शामिल थे। टीम ने सबसे पहले पीड़िता के घर का दौरा किया, जहां परिवार का कोई सदस्य मौजूद नहीं मिला। केवल एक वृद्ध एवं बीमार महिला घर पर थीं, जो बातचीत करने में असमर्थ थीं।इसके बाद टीम ने आसपास के ग्रामीणों से जानकारी जुटाने का प्रयास किया, लेकिन कई लोगों ने घटना के संबंध में अनभिज्ञता जताई। टीम ने गांव के अन्य लोगों एवं आरोपियों के परिजनों से भी बातचीत कर उनका पक्ष जाना। इसके उपरांत टीम नूरसराय थाना पहुंची, जहां उन्होंने मामले की प्रगति के बारे में जानकारी लेने की कोशिश की। हालांकि, थानाध्यक्ष और अनुसंधान पदाधिकारी के अनुपस्थित रहने के कारण टीम को विस्तृत जानकारी नहीं मिल सकी। फैक्ट फाइंडिंग टीम ने अपने प्रारंभिक निष्कर्ष में कहा कि घटना में महिला के साथ बर्बरता की सारी हदें पार कर दी गईं। साथ ही यह भी सामने आया कि महिला पर कथित प्रेम प्रसंग का आरोप लगाकर इस घटना को अंजाम दिया गया। टीम ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि इतने गंभीर मामले में भी केवल औपचारिक कार्रवाई की जा रही है। टीम के सदस्य अशोक कुमार ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि मामले की विस्तृत रिपोर्ट जल्द ही सार्वजनिक की जाएगी। इस घटना ने नालंदा ही नहीं, बल्कि पूरे बिहार में महिला सुरक्षा और कानून–व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, जिससे प्रशासनिक व्यवस्था पर बहस तेज हो गई है।